

अलाभकर सौदा पुं. बाणि. वह सौदा जो लाभ के उद्देश्य से या किसी प्रतिफल की प्राप्ति के लिए न किया गया हो, या जिससे कोई लाभ न मिले।

अलाभकरी वि. (तत्.) दे. अलाभकर।

अलामत स्त्री. (अर.) 1. चिह्न, लक्षण, निशान 2. पहचान 3. गुणा-भाग आदि के चिह्न।

अलामतचक्र पुं. (तत्.) 1. जलती हुई लकड़ी या मशाल को चक्राकार तेजी से घुमाने पर बनने वाला आग का गोला 2. डंडे के एक ओर या दोनों ओर आग लगाकर घुमाने का खेल 2. एक प्रकार का नृत्य।

अलाय-बलाय स्त्री. (फा+अर) 1. व्यर्थ की बला 2. परोक्ष संकट।

अलार्म पुं. (अं.) 1. खतरे की सूचना 2. खतरे की घंटी; सावधान करने वाली घंटी।

अलार्म घड़ी स्त्री. (अं+तद्) नियमित समय पर (घंटी बजा कर) सावधान करने वाली घड़ी, समय बतलाने वाली ऐसी घड़ी या यंत्र जो निर्धारित समय पर ध्वनि उत्पन्न कर सचेत करता है

अलान वि. (अर.) सुस्त, अकर्मण्य, काहिल।

अलानत स्त्री. (अर.) रोग, बीमारी।

अलाव पुं. (तद्.) जाड़े के दिनों में तापने के लिए जलाई हुई आग।

अलावा क्रि.वि. (अर.) अतिरिक्त, सिवाय।

अलिंग वि. (तत्.) 1. बिना चिह्न का, जिसका कोई लक्षण न हो 2. लिंगरहित पुं. 1. निराकार ईश्वर, परमात्मा 2. चिह्न का अभाव।

अलिंग गुणसूत्र पुं. (तत्.) जीव. लिंग गुणसूत्रों को छोड़कर जीव के अन्य सामान्य गुणसूत्र (उदा. मानव के 44 सामान्य गुणसूत्र), अलिंग सूत्र तु. लिंग गुणसूत्र।

अलिंजर पुं. (तद्.) 1. पानी रखने के लिए मिट्टी का बरतन, घड़ा, झज्जर।

अलिंद पुं. (तत्.) 1. मकान से लगा चबूतरा या छज्जा, द्वार-कोष्ठ 2. भौंरा 3. हृदय का वह प्रकोष्ठ जो शरीर से रक्त प्राप्त करके उसे धमनियों में संचारित करता है।

अलि पुं. (तत्.) 1. भौंरा, भ्रमर 2. बिच्छू 3. कोयल 4. वृश्चिक राशि 5. सखी (संबोधन 'अलि' का)।

अलिक पुं. (तत्.) 1. मस्तक, ललाट, माथा।

अलिकुल पुं. (तत्.) भ्रमरों का झुंड या समूह।

अलिखित वि. (तत्.) 1. जो लिखा न गया हो 2. मौखिक।

अलिजिह्व स्वन पुं. (तत्.) अलिजिह्वा (कौआ) और जिह्वा पशु के सहयोग से या अलिजिह्वा के प्रकंपन से उत्पन्न स्वन जैसे- क ग।

अलिजिह्वा स्त्री. (तत्.) 1. गले की घंटी 2. गले के भीतर का कौवा, मुख विवर की छत में गले के पास का एक अवयव।

अलिजिह्विका स्त्री. (तत्.) दे. अलिजिह्वा ।

अलिजिह्वीय वि. (तत्.) 1. अलिजिह्वा से संबंधित 2. अलिजिह्वा का।

अलिपिकवर्गीय वि. (तत्.) तकनीकी या अकादमिक कार्य, प्रशासनिक कार्यकारी या कार्यालय के करने वाले कामों के बिना एक कर्मचारी/अधिकारी। non-ministerial

अलिप्त वि. (तत्.) 1. जो लिप्त न हो 2. निर्लिप्त।

अलिफ पुं. (अर.) उर्दू-अरबी-फारसी वर्णमाला का पहला अक्षर (अलफ)।

अलिय संतान विधि स्त्री. (तत्.) विधि. दक्षिण भारत की एक दाय-अधिकार विधि जिसमें पुत्री की संतान दाय प्राप्त करती है; मातृसत्तात्मक दाय प्रणाली (दक्षिण की अन्य दाय विधि 'मरुमक्कतायम्' से कुछ भिन्न)।

अलिरव पुं. (तत्.) भौरों की मधुर ध्वनि, भौरों के द्वारा किया जाने वाला नाद।